

प्यारो बाबा दशरथ देखारे गुरुनि खे हथु
 चाह वधाए पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥
 करियो कृपा जी कौर मुहिंजा रिषियुनि शिरमोर
 बी ठौर नाहे पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥
 कया विहॉव आहिनि मूं केदा राति दीहां जतन कयमि जेदा
 साबु साधनु न पयो सभु अजायो वयो
 दुखु सताए पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥
 कयमि तीर्थ वृत ऐं नेम पूजा देव मन्दिर घणे प्रेम
 कंहि कोन बुधो न को लालु लधो
 भागु छाहे पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥
 पित्र कोप जो भउ मन थियड़ो भोजनु आराम दास जो वयड़ो
 हाणे पियुसि चरणी तके तव्हां जी शरणी
 मनु हाराए पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥
 गुरु दिलिड़ी वती दशरथ जी दिनी अन्दिरां हथी त हिमथ जी
 करि यज्ञ अनुष्ठान तोखे थींदी सन्तान
 नाठी घुराए पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥

बुधी गुरु अ जा वचन प्यारा थियों बाबा खे हर्ष अपारा
करे चरणनि वन्दनु ऐं चरचे चन्दनु
दया साराहे पुत्र जन्म लाइ हर हर लीलाए ॥